B.A. – Hindi
Exam-2015

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

रोजगार की दृष्टि से हिंदी का पाठ्यक्रम

आज 193 देषों मे हिंदी की पढ़ाई है। भारत के सम्पूर्ण विष्वविद्यालयों मे हिंदी 'अनिवार्य' एवं 'हिंदी–साहित्य' के विषय स्नातक एवं स्नात्कोत्तर स्तर पर पढ़ाये जाते है। कोटा विष्वविद्यालय, कोटा का 'हिंदी–पाठ्यक्रम' स्नातक स्तर पर बहुत अच्छा एंव रोजगार परक है। प्रयोजनमूलक हिंदी (बी. ए. पार्ट द्वितीय, द्वितीय पत्र) पढ़कर छात्र पत्रकारिता, अनुवाद, जनसंचार के क्षेत्र में अपना रोजगार के क्षेत्र में जहाँ भविष्य तलाष सकते हैं, वहीं सफल अनुवादक भी बन सकते है।

स्नातक पाठ्यक्रम–हिन्दी साहित्य
प्रथम वर्ष –परीक्षा 2015
प्रश्नपत्र –प्रथम –हिन्दी काव्य

समयावधि– 3 घंटे **पूर्णांक – 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे:

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न अथवा व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाइयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इकाई – प्रथम

(क) निर्धारित कवि

(i) कबीरदास (कबीर वाङ्मय : जयदेव सिंह–वासुदेव सिंह, वि.वि. प्र. वाराणसी से)
साखी : गुरुदेव को अंग –4, 11, 13 ; सुमिरन को अंग – 2, 4, 6, 9 ; विरह को अंग – 3, 6, 12, 29, 35, 40 ; परचा को अंग– 3, 4, 11, 35 ; निहकर्मी पतिव्रता को अंग – 2, 4, 16 कुल 20
संबद्ध : 48, 114, 137, 146, 168, 179, 218, 285, 297, 325 कुल 10

(ii) जायसी (जायसी ग्रन्थावली : सं. रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र.स. काशी से) मान सरोदक खंड

इकाई – द्वितीय

(i) सूरदास (सूरसागर सार : सं. धीरेन्द्र वर्मा से)
विनय तथा भक्ति – 2, 10, 21, 23, 25 ; गोकुल लीला – 19 ; वृन्दावन लीला – 13, 42 ; राधा–कृष्ण – 2, 63, 106 ; मथुरा गमन – 58, 68, 93 ; उद्धव सन्देश – 2, 55, 95, 125, 187 ; द्वारका चरित – 50 कुल – 20

(ii) तुलसीदास (तुलसी ग्रन्थावली (मानसेतर एकादश ग्रन्थ) ना.प्र.स. काशी से)
गीतावली : बालकांड–23, अयोध्या कांड – 54, 62, 87 ; लंकाकांड–7 ;

विनय पत्रिका : 105, 162, 172, 174, 198; कवितावली : अयोध्याकांड - 5, 6, 7, 8, 11, 12, 13, 18, 19, 20, 21, 22, कुल -22

(iii) रसखान (रसखान रचनावली : सं. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, न.दि.से)
सुजान-रसखान : 2, 3, 7, 10, 13, 18, 27, 55, 56, 73, 75, 80, 101, 112, 128, 129, 147, 150, 178, 225, 237 , कुल-21

(iv) मीरा (मीरा पदावली : सं. परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग से)
19, 20, 31, 36, 39, 41, 46, 48, 52, 53, 70, 76, 84, 87, 103, 106, 146, 153, 171 - कुल-19

इकाई - तृतीय

(i) नरोत्तम दास - सुदामा-चरित (सम्पूर्ण)

इकाई - चतुर्थ

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल एवं भक्तिकाल

इकाई - पंचम

(ग) काव्यांग परिचय :
शब्द-शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना ।
काव्य-गुण : माधुर्य, ओज, प्रसाद ।
काव्य-दोष : श्रुतिकटुत्व, च्युतसंस्कृति, क्लिष्टत्व, ग्राम्यत्व, अश्लीलत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व, पुनरुक्ति।
अलंकार : यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, निदर्शना, दीपक, अर्थान्तरन्यास, सन्देह, भ्रान्तिमान, अपह्नुति, दृष्टान्त, व्यतिरेक, विरोधाभास, असंगति, विशेषोक्ति, विभावना, अन्योक्ति।
छन्द : कवित्त, सवैया, दोहा, सोरठा, चौपाई, बरवै, रोला, हरिगीतिका छप्पय, कुंडलिया।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र.सं. काशी
2. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, न.दि.
3. काव्य के तत्त्व - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद
4. कविता की पहचान - डॉ0 हनुमानप्रसाद शुक्ल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, न.दि.

प्रश्न पत्र -द्वितीय- कथा-साहित्य

समयावधि- 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक - 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न अथवा व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक - 50

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाइयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इकाई – I

कहानियां

1. बंगमहिला – दुलाई वाली
2. प्रेमचन्द – शतरंज के खिलाड़ी
3. जयशंकर प्रसाद – मधुआ
4. जैनेन्द्र कुमार – खेल
5. अज्ञेय – शरणदाता

इकाई – II

1. यशपाल – परदा
2. उषा प्रियंवदा – वापसी
3. अमरकान्त – डिप्टी कलक्टरी
4. यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' – मेंहदी के फूल
5. नासिरा शर्मा – सरहद के इस पार

इकाई – III

उपन्यास – भगवती चरण वर्मा – चित्रलेखा

इकाई – IV

हिन्दी कहानी एवं उपन्यास का इतिहास

इकाई – V

कहानी एवं उपन्यास विधा : स्वरूप एवं तत्त्व

<u>सहायक ग्रन्थ :</u>

1. कहानी : नयी कहानी – डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
2. हिन्दी कहानी : अन्तरंग पहचान – डॉ0 रामदरश मिश्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, न.दि.
3. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : डॉ0 रामदरश मिश्र, राजकमल, नं.दि.
4. कथाकार वृन्दावन लाल वर्मा – डॉ0 शशिभूषण सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़